



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 225] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 16, 1979/कातिका 25, 1901
No 225] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 16, 1979/KARTIKA 25, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) आयात व्यापार नियंत्रण	1	2	3	4
सार्वजनिक सूचना सं० 60 आईटीसी (पीएन)/79 नई दिल्ली 16 नवम्बर 1979	2	178	परिशिष्ट 26 परिविष्ट सं० 38	यह प्रविष्टि निम्नलिखित अनुसार शुद्ध की जाएगी --
विषय -- अग्रेल 1979—मार्च 1980 के लिए आयात-नौति (मिसिल संख्या-1/1/आरईपी/79—ईपीसी से जारी—वाणिज्य विभाग के सार्वजनिक सूचना सं० 25-आईटीसी (पीएन)/79 दिनांक 3 मई, 1979 के अन्तर्गत प्रकाशित अग्रेल 1979—मार्च 1980 की यथा संशोधित आयात नौति की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। निम्नलिखित संशोधन/शुद्धियाँ नीचे निर्दिष्ट प्रत्येक के सामने उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे --	3	181	परिशिष्ट 28 पृष्ठ 6	“रेखा-चित्रा कलमों के लिए मॉडिफाईड रेखा टिप्स और फिल्टर्स।” अन्य में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा -- ‘जा आदेश अवरिक्तनीय साखपत्र द्वारा या सुनुदनी आधार पर नकद भुगतान द्वारा समर्थित होने उनके आधार पर किए गए निर्यातों के मामले में निर्यात का इन्वॉयस के लिए सहमत होने हुए एक वचन-पत्र देना होगा कि यदि वह निर्यात की रकम पूर्ण रूप से स्वदेश का लौटाने में असफल रहता है या यदि निर्यातित वस्तुएं अम्बोकार कर दी जाती हैं या भारत को लौटा दी जाती हैं ता वह भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रिहा किए गए सोने की विक्रय कीमत और इसकी
क्रम 1979-80 सं० की नौति पुस्तक की पृष्ठ सं०	सदभ	मशोअन		
1	2	3	4	
1	53	परिशिष्ट 3 प्रविष्टि सं० 238	यह प्रविष्टि निम्नलिखित अनुसार पढ़ने के लिए संशोधित की जाएगी -- “238 काच के मनके/चैटन्स/ नकली मोती”	

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 60-ITC (PN)/79

New Delhi, the 16th November, 1979

Subject:—Import Policy for April, 1979—March, 1980.

[Issued from File No. 1/1/REP/79-EPC].—Attention is invited to Import Policy for April, 1979—March, 1980 published under the Department of Commerce Public Notice No. 25-ITC (PN)/79, dated the 3rd May, 1979, as amended.

2. The following amendment/erratum shall be made at the appropriate places indicated against each :—

Sl. No.	Page No.	Reference	Amendment
No. of Policy	Book,		
	1979-80		
1	2	3	4
1	53	Appendix 3	This entry shall be amended to read as under :—
		Entry No. 238	"238. Glass beads/Chatons/false pearls."
2	178	Appendix 26	This entry shall be corrected as under :—
		Entry No. 38	"Synthetic fibre tips and filters for sketch pens."
3	181	Appendix 28	The following shall be added at the end :—
		Para 6	"In case of exports effected against such orders as are backed by either an irrevocable letter of credit or payment on cash-on-delivery basis, the exporter will have to give an undertaking in writing agreeing to refund the difference between the sale price of gold released by the State Bank of India and its prevailing 'internal' market price, if he fails to repatriate the export proceeds in full or if the articles exported are rejected or returned to India."
4	182	Appendix 28	The existing para 17 may be substituted as follows :—
		Para 17	"The exporter shall, within 7 calendar working days after the exports have been made and without waiting for the realisation of the sale proceeds in foreign exchange, submit to the same licensing authority as that which endorsed the Shipping Bill an application, in the prescribed form

प्रकाशित 'आन्तरिक व्यापार' कोमन के बीच के अन्तर को लौटाएगा।"

4 182 परिशिष्ट
पैरा 17

विद्यमान पैरा 17 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"निर्यात कर देने के बाद पूरे साल कार्य दिवस के भीतर और विदेशी मुद्रा में बिक्री का रकम की वसूली की प्रतीक्षा किए बिना ही निर्यातक निम्नलिखित प्रपत्र में और निम्नलिखित तरीके से एक आवेदनपत्र उसी लाइसेंस प्राधिकारी को रिहाई आदेश जारी करने के लिए प्रस्तुत करेगा जिसने पोत परिवहन बिल पृष्ठांकित किया था और उग आवेदनपत्र के साथ सामाजिक साक्ष्यार्थक बालक, सामाजिक द्वारा प्रमाणित पोत परिवहन बिल और बैंक प्रमाणपत्र मूल रूप में सलग्न करेगा। रिहाई आदेश जारी करने के लिए आवेदनपत्र के साथ निर्यातक को विधिवत अपने हस्ताक्षरों के साथ यह प्रमाणित करते हुए एक घोषणा पत्र भेजना चाहिए कि इस योजना के अंतर्गत किए गए निर्यातों के प्रति विदेशी मुद्रा की कोई भी वसूली पोतलक्ष्य की तिथि से 2 महीनों की अवधि के बाद से षकाया नहीं है। दस्तावेजों का मत्यापन करने के बाद यदि आवेदनपत्र सध प्रकार से सही दुआ तो लाइसेंस प्राधिकारी एक रिहाई आदेश जारी करेगा जिसमें कि निर्यातक उपर्युक्त अनुसार निर्यातित मर्चों की शुद्ध मोने की मात्रा की प्रति-पूर्ति प्राप्त कर सकेगा।"

5 182 परिशिष्ट 28
पैरा 18

रिहाई आदेश की वैधता अवधि जो "30 दिन" उल्लिखित है वह "15 दिन" बढ़ी जाएगी।

3. ये किए गए संशोधन इस सार्वजनिक सूचना के जारी हान की तिथि से लागू होंगे।

हस्ताक्षरित/-

सी. वेक्टरसन, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

1	2	3	4	1	2	3	4
			and manner, for the issue of a Release Order, and attach thereto the Customs attested invoice, the Customs authenticated Shipping Bills and the Bank Certificate, in original. Along with the application, for issue of a Release Order, the exporter should also furnish a declaration, duly signed by him, certifying that no realisation of foreign exchange against exports made under this scheme is outstanding beyond a period of two months from the date of shipment. The Licensing Authority, will, after verifying the documents, issue				a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of the pure gold-content of the items exported as above, if the application is otherwise in order"
5	182	Appendix 28					The period of validity of the Release Order mentioned as "30 days" shall be read as "15 days"
		Para 18					
<hr/>							
3 The amendments made shall be effective from the date of issue of this Public Notice							
Sd/-							
C. VENKATARAMAN,							
Chief Controller of Imports and Exports.							

